

सबसे हल्की बुलेट प्रूफ जैकेट

चर्चा में क्यों?

[रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन \(DRDO\)](#) के रक्षा सामग्री तथा भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतष्ठान (DMSRDE), कानपुर ने BIS 17051 गोला-बारूद के स्तर 6 से सुरक्षा के लिये देश में सबसे हल्के बुलेट प्रूफ जैकेट को सफलतापूर्वक विकसित किया है।

मुख्य बढि:

- इस बुलेट प्रूफ जैकेट का **टर्मिनल बैलस्टिक रिसर्च लेबोरेटरी (TBRL) चंडीगढ़** में सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।
- यह जैकेट एक नए डज़ाइन दृष्टिकोण पर आधारित है, जहाँ नई प्रक्रियाओं के साथ नवीन सामग्री का उपयोग किया गया है।
- इस जैकेट का फ्रंट **हार्ड आर्मर पैनल (HAP)** इन-कंजंक्शन वदि (ICW) और स्टैंड-अलोन डज़ाइन दोनों में कई हिट्स को मात देता है।
- एर्गोनॉमिक रूप से डज़ाइन किया गया फ्रंट HAP पॉलिमर बैकगि के साथ मोनोलथिक सरिमिक प्लेट से बना है जो ऑपरेशन के दौरान पहनना आसान और आराम को बढ़ाता है।

टर्मिनल बैलस्टिक अनुसंधान प्रयोगशाला (TBRL)

- TBRL चंडीगढ़ स्थित एक महत्त्वपूर्ण DRDO प्रयोगशाला है। यह विभिन्न उच्च वस्फोटकों के वस्फोट, इनका विकास, घातकता, उत्पादन, प्रसंस्करण और लक्षण वर्णन के साथ ही हथियारों, गोले व अन्य गोला-बारूद के वखंडन अध्ययन, बर्मा, मसिइलों एवं हवाई प्रणालियों की कैप्टिव उड़ान परीक्षण, विभिन्न सुरक्षात्मक प्रणालियों जैसे बॉडी कवच, वाहन कवच तथा छोटे हथियारों के गोला-बारूद के खिलाफ हेलमेट आदि का बैलस्टिक मूल्यांकन में सक्रिय रूप से संलग्न है।